सबालेंका फिर यूएस ओपन फाइनल में

पेगुला को 7-5, 6-2 से हराया, लगातार चौथे खिताबी मुकाबले में पहुंचीं

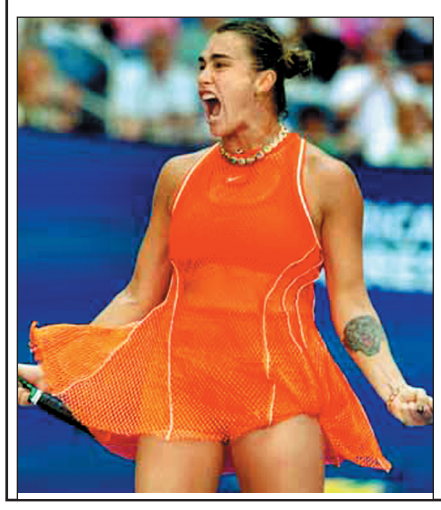

नवभारत न्यूज नेटवर्क

न्यूयॉर्क, 11 सितंबर. मौजूदा चैंपियन और शीर्ष वरीय बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने एक बार फिर यूएस ओपन के खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है.

आर्थर ऐश स्टेडियम में गुरुवार रात खेले गए महिला एकल सेमीफाइनल में सबालेंका ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से शिकस्त दी. इसके साथ ही वह लगातार चौथी बार फ्लशिंग मीडोज के फाइनल में पहुंचने वाली खिलाड़ी बन गईं. सबालेंका ने पूरे मुकाबले में आक्रामक टेनिस खेलते हुए 29 विनर्स लगाए, जबकि पेगुला केवल 12 विनर्स ही लगा सकीं.

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली. स्कोर 4-4 होने पर सबालेंका ने दबाव के बावजूद एक ब्रेक प्वाइंट बचाया. इसके बाद 5-6 के स्कोर पर उन्होंने पेगुला की सर्विस तोड़कर 43 मिनट में पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया. दूसरे सेट में सबालेंका ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख बनाए रखा और पेगुला की सर्विस तोड़कर 3-1 की बढ़त हासिल कर ली. इसके बाद उन्होंने कोई मौका नहीं दिया और अंतिम गेम में एक और सर्विस ब्रेक हासिल करते हुए एक घंटे 20 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया. इस जीत के साथ सबालेंका ने यूएस ओपन में लगातार 19वीं जीत दर्ज की है. अब 28 वर्षीय सबालेंका के सामने इतिहास रचने का मौका है.

> कजाकिस्तान की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना रयबाकिना ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अमेरिका की कोको गॉफ को 3-6, 6-4, 6-4 से हराया और अपने करियर के पहले यूएस ओपन महिला एकल फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा. सबालेंका ने पहले सेमीफाइनल में अमेरिकी तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराया था, ओपन एरा में लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली तीसरी महिला बनने की कोशिश कर रही हैं. वहीं, रयबाकिना अपने पहले यूएस ओपन ख़िताब और तीसरे ग्रैंड स्लैम ख़िताब की तलाश में हैं.

फाइनल में पाक हो या श्रीलंका फर्क नहीं पड़ता : दीप्ति शर्मा

एशिया कप में अब तक अजेय है भारतीय टीम

दीप्ति 11 विकेट लेकर शीर्ष गेंदबाजों में

नवभारत न्यूज नेटवर्क

दुबई, 11 सितंबर. भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशिया कप टी-20 के फाइनल में पाकिस्तान पहुंचे या श्रीलंका, उसके लिए प्रतिद्वंद्वी से ज्यादा अपने प्रदर्शन को बेहतर करना मायने रखता है. बांग्लादेश को सेमीफाइनल में 40 रन से हराकर फाइनल में पहुंची भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा कि टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं लेती.

फाइनल में कौन सी टीम सामने होगी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता. टीम का ध्यान हर मैच में अपना प्रदर्शन सुधारने और एकजुट होकर खेलने पर है. भारत ने टूर्नामेंट में अब तक अपने सभी मुकाबले जीते हैं. इनमें पाकिस्तान के खिलाफ मिली बड़ी जीत भी शामिल है. भारत ने पाकिस्तान को 55 रन और 68 गेंद शेष रहते हराया था. उस मुकाबले में दीप्ति ने दो विकेट लिए थे. बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में भी उन्होंने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट लिए. इसके साथ ही वह टूर्नामेंट में अब तक 11 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाजों में शीर्ष पर पहुंच गई हैं. बल्लेबाजी में भी उन्होंने छह गेंदों पर 13 रन बनाए, जिसमें एक चौका और एक छक्का शामिल था. दीप्ति ने कहा कि जब भी उन्हें बल्लेबाजी का मौका मिलता है, वह टीम के लिए योगदान देने का प्रयास करती हैं. हालांकि, टीम की क्षेत्ररक्षण चिंता का विषय है. बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय खिलाड़ियों ने चार कैच छोड़े. दीप्ति ने माना कि टीम अभ्यास में कैचिंग पर लगातार काम कर रही है और फाइनल में क्षेत्ररक्षण को बेहतर करने के लिए पूरी तरह तैयार है.

एक नजर में

रमेश ने एशिया प्रतियोगिता में जीते दो स्वर्ण पदक

चंडीगढ़. अमृतसर की 'ऑल इंडिया पिंगलवाड़ा चैरिटेबल सोसाइटी' के रहने वाले रमेश ने हांगकांग में आयोजित 'स्पेशल ओलंपिक्स ईस्ट एशिया प्रतियोगिता' की बॉलिंग स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीतकर देश, राज्य और संस्था का नाम रोशन किया है. रमेश ने युगल और मिश्रित टीम, दोनों प्रतियोगिताओं में पहला स्थान हासिल किया. एकल प्रतियोगिता में वह चौथे स्थान पर रहे. दो स्वर्ण पदक जीतकर अमृतसर लौटे रमेश का पिंगलवाड़ा संस्था में उनका जोरदार स्वागत किया गया, जहां अधिकारियों, प्रशासकों और समाज सेवकों ने उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी. इस अवसर 'ऑल इंडिया पिंगलवाड़ा चैरिटेबल सोसाइटी' की प्रमुख डॉ. इंदरजीत कौर ने बताया कि रमेश को बचपन में ही उनके परिवार ने छोड़ दिया था और जब वह संस्था की देखरेख में आए, तो वह बोल नहीं पाते थे. डॉ. कौर ने कहा, 'पिंगलवाड़ा ने उनकी देखभाल और पालन-पोषण की जिम्मेदारी ली और उन्हें खास प्रशिक्षण दिया.' ट्रेनिंग और लगातार कोशिशों से रमेश ने बॉलिंग में अपनी स्किल्स को बेहतर किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला किया, जहां उन्होंने हांगकांग में दो स्वर्ण पदक जीते.

पतंगबाजी के साथ भारत ने शुरू किया अभ्यास

नयी दिल्ली. अफगानिस्तान के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी-20 सीरीज से पहले भारतीय टीम ने शुक्रवार को अरुण जेटली स्टेडियम में अभ्यास किया. इस दौरान खिलाड़ियों ने कड़ी तैयारी के साथ-साथ पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता का भी आनंद लिया. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अभ्यास सत्र की झलकियां साझा कीं, जिसमें खिलाड़ी टीम बस से स्टेडियम पहुंचते, नेट्स में बल्लेबाजी करते और प्रैक्टिस ड्रिल करते हुए दिखाई दिये. टीम पहले टी-20 के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही थी. अभ्यास के बाद प्रशिक्षण सत्र की गंभीरता हल्के-फुल्के मनोरंजन में बदल गई, जब ओपनर अभिषेक शर्मा और ऑलराउंडर शिवम दुबे के बीच पतंगबाजी का मुकाबला हुआ. बीसीसीआई ने इस मुकाबले को 'पतंगबाजों की भिड़ंत' नाम दिया. इस मुकाबले में अभिषेक विजेता बने और उन्होंने मज़ाक-मज़ाक में दुबे पर अपनी जीत का दावा किया.

विश्व कप जिताने वाले खिलाड़ियों को ही खिलाओ

नई दिल्ली. अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले भारतीय टीम के शीर्ष क्रम को लेकर बहस तेज हो गई है. पूर्व भारतीय बल्लेबाज रहाणे ने प्लेइंग-11 को लेकर अपनी राय रखते हुए कहा है कि फिलहाल वैभव सूर्यवंशी को बाहर बैठाकर विश्व कप में भारत को खिताब दिलाने वाले शीर्ष क्रम के खिलाड़ियों को मौका दिया जाना चाहिए. रहाणे ने संजू सैमसन को अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कराने की पैरवी की है. रहाणे के मुताबिक भारतीय टीम को विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों पर भरोसा बनाए रखना चाहिए. उन्होंने संजू सैमसन के पक्ष में कहा कि विश्व कप में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन दो-तीन खराब पारियों के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया. रहाणे का मानना है कि सैमसन को एक और मौका मिलना चाहिए, ताकि वह शीर्ष क्रम में अपनी जगह मजबूत कर सकें. विश्व कप के बाद भारतीय टीम के शीर्ष क्रम में लगातार बदलाव देखने को मिले हैं. इंग्लैंड दौरे पर सैमसन की तीन असफल पारियों के बाद उनकी जगह 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को मौका मिला था. हालांकि, वह तीन मैचों में प्रभाव नहीं छोड़ सके.

दूसरे ही वनडे में कॉनर एस्टरहुइजन का शतक

नई दिल्ली. दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन ने अपने वनडे अंतरराष्ट्रीय करियर के दूसरे ही मुकाबले में धमाकेदार शतक जड़ दिया. विंडहोक में नामीबिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में एस्टरहुइजन ने 110 गेंदों पर 119 रन की शानदार पारी खेली. उनकी पारी में आठ चौके और छह छक्के शामिल रहे. यानी सिर्फ चौकों और छक्कों से ही उन्होंने 68 रन बटोरे. यह उनके वनडे और लिस्ट-ए करियर का पहला शतक है. टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम को शुरुआती झटका जल्दी लगा. पिछले मुकाबले में शतक लगाने वाले सलामी बल्लेबाज जॉर्डन हरमन इस बार 20 रन बनाकर आउट हो गए.

मलेशिया को 3-1 से हराकर भारत फाइनल में

छठे खिताब से एक कदम दूर इंडिया

नवभारत न्यूज नेटवर्क

मोकी (चीन), 11 सितंबर गत चैंपियन भारत ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मलेशिया को 3-1 से हराकर एएचएफ पुरुष जूनियर एशिया कप हॉकी के फाइनल में प्रवेश कर लिया. इस जीत के साथ भारतीय टीम लगातार चौथी बार खिताबी मुकाबले में पहुंची है और अब उसकी नजर रिकॉर्ड छठी बार चैंपियन बनने पर है.

सेमीफाइनल में कप्तान और ड्रैग फ्लिकर अनमोल इक्का भारत की जीत के नायक रहे. उन्होंने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जबकि सुखविंदर ने भी एक गोल किया. गोलकीपर विवेक लाकड़ा ने कई महत्वपूर्ण बचाव करते हुए मलयेशिया की वापसी की कोशिशों को नाकाम किया. भारत ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए. अजीत यादव ने शुरुआती दो मिनट में ही दो बार मलयेशिया के सर्कल में प्रवेश किया. भारत को शुरुआती दौर में तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन मलयेशिया के गोलकीपर अम्सियार मोहम्मद आदिब ने बेहतरीन बचाव कर भारतीय टीम को बढ़त लेने से रोके रखा.

> 16वें मिनट में मिले चौथे पेनल्टी कॉर्नर पर अनमोल ने ड्रैग फ्लिक से गेंद को गोल में पहुंचाकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया. दूसरे हाफ में मलयेशिया ने बराबरी के लिए दबाव बनाया, लेकिन विवेक लाकड़ा भारतीय गोलपोस्ट के सामने मजबूती से डटे रहे. 34वें मिनट में उन्होंने लगातार दो प्रयासों को रोका. भारत को इस दौरान दो पीले कार्ड भी मिले, लेकिन टीम की लय नहीं टूटी चौथे क्वार्टर में सुखविंदर ने भारत की बढ़त 2-0 कर दी. 54वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर वीडियो रेफरल के बाद भी भारत के पक्ष में फैसला रहा. अनमोल ने फिर ड्रैग फ्लिक से गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया.

सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई सबसे आगे

2.2 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ भारत शीर्ष पर

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 11 सितंबर. क्रिकेट अब सिर्फ मैदान पर रन और विकेट का खेल नहीं रह गया है, बल्कि यह दुनिया के सबसे बड़े खेल कारोबार में शामिल हो चुका है.

प्रसारण अधिकार, प्रायोजन, टिकट बिक्री और टी-20 लीग ने क्रिकेट बोर्डों की आर्थिक ताकत को कई गुना बढ़ाया है. इसी वजह से दुनिया के अलग-अलग क्रिकेट बोर्डों की संपत्ति में बड़ा अंतर देखने को मिलता है. अनुमानित नेटवर्थ के आधार पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई दुनिया का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड है. बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई की अनुमानित नेटवर्थ करीब 2.2 अरब डॉलर यानी लगभग 18,760 करोड़ रुपए है. खास बात यह है कि दूसरे स्थान पर मौजूद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की अनुमानित नेटवर्थ सिर्फ 79 मिलियन डॉलर यानी करीब 674 करोड़ रुपए बताई गई है.

कुलदीप ने ली फर्स्ट क्लास में ली 10 विकेट

नवभारत न्यूज नेटवर्क

लीड्स, 11 सितंबर. भारतीय चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में ऐसा प्रदर्शन किया है, जो उनके फर्स्ट क्लास करियर में पहली बार देखने को मिला. यॉर्कशायर की ओर से खेलते हुए कुलदीप ने एसेक्स के खिलाफ मैच में कुल 10 विकेट झटके.

उन्होंने पहली पारी में चार और दूसरी पारी में छह विकेट लेकर एसेक्स की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी. कुलदीप के शानदार प्रदर्शन के दम पर यॉर्कशायर ने मुकाबला पारी और 106 रन से अपने नाम किया.

हेडिंग्ले में पहले बल्लेबाजी करते हुए यॉर्कशायर ने 390 रन बनाए. कुलदीप ने बल्ले से भी योगदान दिया और 94 गेंदों पर 36 रन की पारी खेली. इसके जवाब में एसेक्स की पहली पारी 171 रन पर सिमट गई. कुलदीप ने 23 ओवर में 70 रन देकर चार विकेट लिए. एसेक्स को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा. दूसरी पारी में भी कुलदीप की गेंदों का जवाब बल्लेबाजों के पास नहीं था. उन्होंने 16 ओवर में 50 रन देकर छह विकेट चटकाए और एसेक्स की पूरी टीम 40 ओवर में 113 रन पर ढेर हो गई. इस तरह कुलदीप ने मैच में 120 रन देकर 10 विकेट पूरे किए. लाल गेंद से इंग्लैंड में इस प्रदर्शन ने कुलदीप की टेस्ट टीम में दावेदारी भी मजबूत की है.

> हेडिंग्ले की परिस्थितियां भी कुलदीप के लिए मुफीद रहीं. मैच से पहले उन्होंने बताया था कि विकेट में अच्छी तेजी थी, जिससे उन्हें गेंद को ज्यादा तेज फेंकने की जरूरत नहीं पड़ी. सही टप्पे और स्पिन के साथ उन्होंने बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया.

गली क्रिकेट से इंडिया ए तक पहुंची अक्षिता

105 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से जीता स्पीड क्वीन खिताब

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 11 सितंबर पंजाब के छोटे से शहर कुराली की गलियों में लड़कों के साथ क्रिकेट खेलने वाली 19 साल की अक्षिता भगत ने कुछ ही वर्षों में अपनी पहचान देश की उभरती तेज गेंदबाज के रूप में बना ली है.

साल की शुरुआत में आयोजित 'स्पीड क्वीन' प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में 105 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंककर अंडर-23 वर्ग का खिताब जीतने वाली अक्षिता अब भारत ए टीम तक पहुंच गई हैं. उन्हें ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाली तीन एकदिवसीय और एक चार दिवसीय मुकाबले की सीरीज के लिए टीम में चुना गया है.

अक्षिता का जन्म रोपड़ में हुआ और उनका बचपन मोहाली जिले के कुराली में बीता. करीब 13 साल की उम्र में उन्होंने अपने एक दोस्त को क्रिकेट अकादमी जाते देखा तो खुद भी क्रिकेट सीखने की जिद पकड़ ली.

> पिता उन्हें चकवाल स्कूल क्रिकेट अकादमी ले गए, जहां कोच नरेंद्र राठौर ने उनकी प्रतिभा को तराशना शुरू किया. शुरुआत में अक्षिता बल्लेबाजी करती थीं, लेकिन जब उन्होंने कोच को अपनी गेंदबाजी दिखाई तो राठौर ने उनमें तेज गेंदबाज बनने की क्षमता पहचानी. तीन साल के भीतर अक्षिता पंजाब अंडर-19 टीम में पहुंचीं और 2024-25 सत्र में उन्होंने सूची ए क्रिकेट में पदार्पण किया. हालांकि शुरुआती दौर में उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले.

साबले ने 8 :32 .39 सेकेंड में जीता स्वर्ण

- जैवलिन में 12 सेंटीमीटर से चूकीं अन्नू
- अविनाश ने हासिल किया क्वालिफिकेशन मार्क

अन्नू रानी एशियन गेम्स टीम से बाहर

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 11 सितंबर. एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता अन्नू रानी को जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम में जगह नहीं मिल सकी.

गुरुवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स फाइनल सीरीज में अन्नू ने महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में 57.50 मीटर का थ्रो किया. वह एशियन गेम्स के लिए तय 57.62 मीटर के क्वालिफिकेशन मार्क से महज 12 सेंटीमीटर पीछे रह गईं. एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि एशियन गेम्स में चयन के लिए निर्धारित क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करना अनिवार्य होगा.

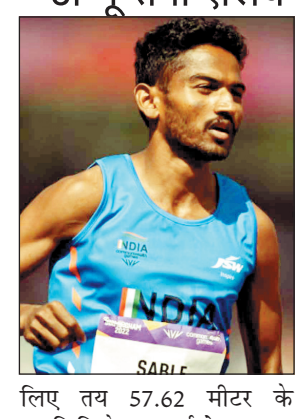

वहीं, चोट के कारण करीब 14 महीने तक प्रतिस्पर्धी मुकाबलों से दूर रहे अविनाश साबले ने शानदार वापसी की. 31 वर्षीय साबले ने 3,000 मीटर स्टीपलचेज में 8:32.39 सेकेंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता. उनका प्रदर्शन 8:36.57 सेकेंड के निर्धारित क्वालिफिकेशन मार्क से बेहतर रहा. इस प्रदर्शन के साथ साबले ने एशियन गेम्स के लिए अपनी जगह पक्की कर ली.

पाक खिलाड़ी विराट के ब्रांड के जूते पहनकर खेली

नई दिल्ली. एशिया कप में पाकिस्तानी महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है. हालांकि, टीम की खिलाड़ियों के प्रदर्शन के साथ उनके जूते भी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं. हांगकांग के खिलाफ मुकाबले में पाकिस्तानी स्पिनर नशरा संधू और दाएं हाथ की बल्लेबाज ईमान फातिमा को 'वन8' ब्रांड के जूते पहने देखा गया. इनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुए. 'वन8' भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के साथ जुड़ा खेल ब्रांड है. ऐसे में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के इस ब्रांड के जूते पहनकर मैदान पर उतरने को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है.

फुटबॉल सबाह को 4-0 से रौंदा, बायर्न ने भी 5-0 की जीत दर्ज की, केन ने लगातार

यूनाइटेड की चैंपियंस लीग में धमाकेदार वापसी

नवभारत न्यूज नेटवर्क

मैनचेस्टर, 11 सितंबर. तीन साल बाद चैंपियंस लीग फुटबॉल में वापसी करने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड ने अपने अभियान की शुरुआत धमाकेदार जीत के साथ की. यूनाइटेड ने अजरबैजान के सबाह को 4-0 से करारी शिकस्त दी.

मैथियस कुन्हा, ब्रूनो फर्नांडेस, बेंजामिन सेस्को और लिसैंड्रो मार्टिनेज ने एक-एक गोल कर टीम की जीत तय की. लंबे अंतराल के बाद यूरोप के सबसे बड़े क्लब टूर्नामेंट में लौटे यूनाइटेड ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए और मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा. दूसरी ओर, बायर्न म्यूनिख ने भी अपने अभियान का आगाज शानदार अंदाज में किया. जर्मन क्लब ने बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से रौंद दिया. पहले हाफ में दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं, लेकिन दूसरे हाफ में बायर्न ने पूरी तरह मैच अपने कब्जे में कर लिया. हैरी केन ने हेडर से बायर्न का दूसरा गोल दागा और एक और शानदार उपलब्धि अपने नाम कर ली. इंग्लैंड के स्टार स्ट्राइकर ने चैंपियंस लीग में लगातार आठवें मैच में गोल किया है.

> इस बीच इटली के क्लब कोमो ने भी चैंपियंस लीग में अपने पदार्पण को यादगार बना दिया. कोमो ने जर्मनी के आरबी लीपजिग को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की. तीन साल बाद लौटा यूनाइटेड, बायर्न का दबदबा और केन की गोल करने की निरंतरता ने चैंपियंस लीग के शुरुआती मुकाबलों को खास बना दिया.